

वा० रा०

॥ ५८ ॥

॥ ४० ॥ रावणं प्राञ्जलिं नियमेनेश्वरं प्रतिकृताञ्जलिं ॥ तद्गतीवशमित्यार्षोदीर्घः ॥ मूर्तिमंतः प्राण्याकारवंतोऽचला इव राक्षसाः ॥ ४१ ॥ तत्र तत्र स्मनीयते ॥ प्रतिदिवसं पूजार्थं राक्षसैरिति शेषः ॥ ४२ ॥ तल्लिङ्गं जांबूनदमयं नित्यपूजालिङ्गं ॥ ऐश्वर्यकामनया हि तल्लिङ्गपूजारावणस्य ऐश्वर्यकामस्य सौवर्णलिङ्गपूजायास्तन्नेषूक्तेः ॥ ४३ ॥ जगौ सामानी

नर्मदासलिलात्तस्माद्दुत्ततारसरावणः ॥ ततः क्लिन्नांबरं त्यक्त्वा शुक्लवस्त्रं समावृतः ॥ ४० ॥ रावणं प्राञ्जलियांतमन्वयुः सर्वराक्षसाः ॥ तद्गतीवशमापन्ना मूर्तिमंत इवाचलाः ॥ ४१ ॥ यत्र यत्र च याति स्म रावणो राक्षसेश्वरः ॥ जांबूनदमयं लिङ्गं तत्र तत्र स्मनीयते ॥ ४२ ॥ वालुकावेदिमध्ये तु तल्लिङ्गं स्थाप्य रावणः ॥ अर्चयामास गंधैश्च पुष्पैश्चामृतगंधिभिः ॥ ४३ ॥ ततः सतामार्तिहरं परं वरं वरप्रदं चंद्रमयं सुखभूषणं ॥ समर्चयित्वा सनिशाचरो जगौ प्रसार्य हस्ताभ्यग्नं नर्तचाग्रतः ॥ ४४ ॥ इत्यार्षे श्रीम० वा० उ० एकत्रिंशः सर्गः ॥ ३१ ॥ ॥ ७३ ॥ नर्मदा पुलिने यत्र राक्षसेन्द्रः सदारुणः ॥ पुष्पोपहारं कुरुते तस्माद्देशाद्दूरतः ॥ १ ॥ अर्जुनो जयतां श्रेष्ठो माहिष्मत्याः पतिः प्रभुः ॥ क्रीडते सह नारीभिर्नर्मदातोयमाश्रितः ॥ २ ॥ तासां मध्यगतो राजारजचतुर्जुनः ॥ करेणूनां सहस्रस्य मध्यस्थ इव कुंजरः ॥ ३ ॥ जिज्ञासुः स तु बाहूनां सहस्रस्योत्तमं बलं ॥ रुरोध नर्मदावेगं बाहुभिर्बहुभिर्वृतः ॥ ४ ॥ कार्तवीर्यभुजा सक्तं तज्जलं प्राप्य निर्मलं ॥ कूलोपहारं कुर्वाणं प्रतिस्रोतः प्रधावति ॥ ५ ॥ समीननक्रमकरः स पुष्पकुशसंस्तरः ॥ स नर्मदां भसो वेगः प्रावृट्काल इवावभौ ॥ ६ ॥ स वेगः कार्तवीर्येण संप्रेषित इवांभसः ॥ पुष्पोपहारं सकलं रावणस्य जहार ह ॥ ७ ॥ रावणोऽर्थसमातंतमुत्सृज्य नियमंतदा ॥ नर्मदां पश्यते कांतां प्रतिकूलं यथा प्रियां ॥ ८ ॥

त्यर्थः ॥ ४४ ॥ इति श्रीरामाभिरा० रा० वा० उ० एकत्रिंशः सर्गः ॥ ३१ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७३ ॥ नर्मदेति ॥ १ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

उ० कां०

॥ ५८ ॥